सहकारिता
मैं भारत की जीवन शैली

परिवार के संस्कार की पवित्र धारा हूँ, संगठन विशेष की अन्तरिक ऊर्जा हूँ

जाति, पंथ, वर्ग सम्प्रदाय का बंधन नही - अर्थोन्नति का मजबूत स्तंभ हूँ

मेरी छाती में अन्तोदय है, मेरे व्यवहार से सफलता चरण दबाती है

मैं स्वतंत्रता की देवी, स्वायत्तता मेरे पंख है

मैं सत्ता कि मोहताज नहीं - विधी की विधायी हूँ

मैं पिछडों की आशा हूँ, गरीबों की साथी हूँ

कर्मशीलता एवं कर्तव्यनिष्ठा मेरे दो चरण है

रिध्दि-सिध्दि मेरी दांयी-बांयी भुजा है

एकत्म एवं सर्वसमावेशक मेरी वैश्विक दृष्टि है

समरसता मेरा ह्रदय है, विचारों का निचोड़ मेरी बुध्दि है

सहकार मेरा धर्म है, साधना मेरा भविष्य है

तारना मेरी सफलता है, तृप्ति मेरा फल है

मैं शाश्वत हूँ, अनंत हूँ, अविनाशी हूँ

मैं जब चलती हूँ, तो स्वावलंबन साथ चलता है

मैं भारत की समृध्दि का पुनरागमन हूँ

पुनरागमन हूँ.....पुनरागमन हूँ.....